आत्मत्राण

रवींद्रनाथ ठाकुर

प्रदत्त कार्य-1 : प्रार्थना गीतों का संकलन।

विषय : प्रार्थना गीतों का संकलन तैयार करना।

उद्देश्य :

- भावाभिव्यक्ति की क्षमता का विकास।
- प्रार्थना गीतों की समझ।
- सहभागी प्रवृत्ति का विकास।
- प्रार्थना में प्रयुक्त मूल्यों की समझ।
- मंच भय से मुक्ति।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य।
2. कार्य के बारे में विद्यार्थियों को बताएंगे।
3. कार्य व मूल्यांकन से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी पहले ही दे दी जाए।
4. विद्यार्थियों को कुछ समूहों में बांटकर 3-4 दिन तैयारी हेतु अवश्य दिए जाएं। तैयारी में शिक्षक उनकी सहायता करेंगे।
5. तय दिवस को सभी समूह अपना संकलन प्रस्तुत करेंगे।
6. शिक्षक एवं विद्यार्थी दोनों मूल्यांकन करेंगे।
7. विद्यार्थी चित्रों का, रंगों का प्रयोग कर सकते हैं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- संकलित प्रार्थना

- संपूर्ण प्रभाव
- प्रस्तुति

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- प्रभावशाली संकलन की सराहना।
- औसत संकलन को प्रोत्साहन देकर अच्छा करने की प्रेरणा दी जाएगी।
- कमियों के सुधार हेतु सुझाव दिया जाएगा।
- सर्वश्रेष्ठ संकलन का प्रदर्शन किया जाए।

प्रदत्त कार्य-2 : सूची तैयार करना ।

विषय : नोबेल पुरस्कार प्राप्त भारतीयों की सूची तैयार करना।

उद्देश्य :

- नोबेल पुरस्कार प्राप्त भारतीयों को जानना।
- उनके कार्य क्षेत्र तथा योगदान को समझना।
- पढ़ने तथा समझने की शक्ति का विकास।
- लेखन तथा समझ के कौशल का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सर्वप्रथम शिक्षक कार्य के बारे में विद्यार्थियों को समझाएं।
2. उन्हें गतिविधि की तैयारी के लिए उचित समय दें।
3. गतिविधि के लिए निर्धारित कालांश में गतिविधि कराएं।
4. इस कार्य के लिए उन्हें 10–20 मिनट का समय अवश्य दिया जाए।
5. मूल्यांकन के आधार पहले बता दिए जाएं।
6. इस दौरान शिक्षक प्रत्येक छात्र की गतिविधि पर ध्यान रखें और आवश्यकता अनुसार उनकी सहायता करें।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- नोबेल पुरस्कार प्राप्त भारतीय के नाम तथा क्षेत्र
- क्रमबद्धता
- प्रस्तुति

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- अच्छी सूची की सराहना की जाएगी।
- कमियों को बताकर सुधार हेतु सुझाव दिए जाएंगे।

प्रदत्त कार्य-3 : कहानी संकलन

विषय : सुख-दुख जीवन के दो पहिये।

उद्देश्य :

- कहानी में रुचि उत्पन्न करना।
- कथ्य की समझ।
- पढ़ने तथा समझने के कौशल का विकास।
- कथ्य के आधार पर कहानी को संकलित करना।
- लेखन कौशल का विकास।

निर्धारित समय : दो कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक इस गतिविधि को समझाएंगे।
3. विद्यार्थी को दिए गए विषय पर संकलन के लिए दो दिन का समय दिया जाएगा।
4. अध्यापक विद्यार्थियों को पुस्तकालय, इंटरनेट व अन्य स्त्रोतों का उपयोग करने को प्रेरित करेगा।
5. निश्चित कालांश में सभी विद्यार्थियों कार्यों का संग्रह प्रदर्शित करेंगे।

6. मूल्यांकन के आधार बता दिए जाएंगे।

7. अध्यापक कार्य का मूल्यांकन कर विद्यार्थियों को उनका संकलन वापस करेंगे।

8. मूल्यांकन का आधार पहले ही स्पष्ट कर दिए जाएं।

नोट – अन्य शब्द भी दिए जा सकते हैं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- कथा संकलन का स्तर
- प्रभावशाली कथा
- संकलन
- प्रस्तुति

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- प्रभावशाली संकलन की सराहना की जाए।
- औसत संकलन को सुधारने के लिए प्रोत्साहन।

प्रदत्त कार्य-4 : गायन/वाचन

विषय : रवींद्रनाथ ठाकुर की किसी अन्य रचना का गायन/वाचन।

उद्देश्य :

- काव्य के प्रति आकर्षण उत्पन्न करना।
- संगीतात्मक अभिरुचि का विकास।
- रवींद्रनाथ की अन्य रचनाओं का ज्ञान।
- सहभागिता का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत/सामूहिक कार्य।

2. सर्वप्रथम शिक्षक रवींद्रनाथ की कुछ रचनाओं के बारे में कक्षा में चर्चा करें।

3. इन रचनाओं को पढ़ने के लिए मार्गदर्शन करें।

4. कार्य से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी पहले ही दे दी जाए।

5. मूल्यांकन के आधार भी पहले ही समझा दिए जाएं।

6. सामूहिक कार्य हेतु कक्षा को कुछ समूहों में बांट दिया जाए।

7. तैयारी हेतु विद्यार्थियों को 5–7 दिन का समय अवश्य दिया जाए।

8. इस दौरान शिक्षक छात्रों की सहायता करें ताकि वे रचनाओं का चयन एवं गायन का अभ्यास कर सकें।

9. पूर्व निश्चित दिन प्रत्येक समूह गायन करेंगे।

10. वाद्य यंत्रों का उपयोग भी किया जा सकता है।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- रचना का स्तर
- स्वर (लय, आरोह–अवरोह, गेयता)
- उच्चारण की शुद्धता
- भावाभिव्यक्ति
- आत्मविश्वास/समग्र प्रस्तुति

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- मधुर व प्रभावशाली वाचन/गायन के लिए सराहना की जाए।
- औसत प्रस्तुतियों को प्रोत्साहन दिया जाए। अच्छी प्रस्तुति हेतु सुझाव दिए जाएं।
- सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति को विद्यालय के मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाए।

प्रदत्त कार्य-5 : परियोजना कार्य

विषय : शांति निकेतन के बारे में जानकारी एकत्रित कर प्रस्तुत करना।

उद्देश्य :

- जिज्ञासु प्रवृत्ति व स्वाध्याय का विकास।
- देश के महत्वपूर्ण स्थानों के प्रति गौरव भाव जगाना।
- बौद्धिक विकास।
- लेखन क्षमता का विकास।
- ज्ञान का विस्तार।
- शब्द भंडार में वृद्धि व अनुप्रयोग।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. शिक्षक कुछ प्राचीन व महत्वपूर्ण शिक्षा केंद्रों के विषय में बताते हुए कार्य से छात्रों को परिचित करवाएँ जैसे – नालंदा विश्वविद्यालय, तक्षशिला इत्यादि....।
3. यह कार्य कविता पढ़ाने के पश्चात् करवाया जाए।
4. छात्रों को पुस्तकालय अथवा इंटरनेट से जानकारी तथा चित्र एकत्रित करने के लिए कहा जाए। जानकारी एकत्रित करने के संदर्भ में छात्रों का कुछ प्रश्नों के माध्यम से मार्गदर्शन करें – जैसे
   - शांति निकेतन की स्थापना किसने की?
   - कब की?
   - शांति निकेतन कहां स्थित है?
   - वर्तमान काल में उसका स्वरूप व महत्व.....?
   - यहां से शिक्षा प्राप्त कुछ महान व्यक्तियों का नाम.....इत्यादि.....।
5. छात्रों को शन्तिनिकेतन एवं अपने विद्यालय पर 100 शब्दों में तुलनात्मक टिप्पणी लिखने को कहें।
6. मूल्यांकन के आधार बिंदु तथा अंक विभाजन पूर्व में ही छात्रों को बता दिए जाएं।
7. इस कार्य के लिए छात्रों को एक सप्ताह का समय दिया जाए।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- अधिकतम जानकारी एकत्रित करने पर
- प्रस्तुतीकरण (कलात्मकता, चित्र, सुंदरता)
- शब्द चयन, सटीक वाक्य रचना, शुद्ध वर्तनी

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- कार्य की समग्रता के संदर्भ में प्रत्येक छात्र की सराहना की जाए।
- कार्य पूर्ण न कर पाने पर छात्रों को प्रोत्साहित करें तथा अन्य विद्यार्थियों के सहयोग से पूरा करने के लिए प्रेरित करें।
- लेखन संबंधी अशुद्धियों को दूर करने के लिए सुझाव दें।
- सर्वश्रेष्ठ परियोजना कार्य का चयन कर कक्षा में उसका प्रदर्शन करें।